

संक्षिप्त समाचार

सांवरिया सेठ के दर्शन से लौट रहे 4 दोस्तों की कार में लगी भीषण आग

धार। मध्य प्रदेश के मह-नोमच फोरलेन पर सदलपुर क्षेत्र के समीप बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना सामने आई है। सांवरिया सेठ के दर्शन करके वापस लौट रहे पांच दोस्तों की कार में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसकी चपेट में आने से चार युवकों की मौके पर ही झुलसकर मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फोरलेन पर चलती कार में अचानक आग की लपटें उठने लगीं और यात्रियों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और राहत दल तुरंत मौके पर पहुंचे। आग में बुरी तरह झुलसे चार युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

प्रेम प्रसंग के विवाद में युवक व उसके पिता को नग्न घुमाया

कोलकाता। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। प्रेम प्रसंग की वजह से एक शख्स और उसके पिता को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने का मामला सामने आया है। यह घटना सरसोना थांना क्षेत्र के बसुंधरा पार्क इलाके में हुई। इस घटना के बाद वहां भारी तनाव फैल गया और लोगों में काफी आक्रोश है। कोलकाता पुलिस ने आज बताया कि मामले में युवती के पिता और चाचा समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, युवती बेहाला इलाके के सरसुना के रहने वाले एक युवक के साथ रिश्ते में थी। बताया जा रहा है कि युवती के परिवार वाले शुरू से ही इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। रविवार को जब युवती के रिश्तेदारों ने दोनों को एक साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया, तो यह विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि युवती के पिता और चाचा ने युवक को घर के अंदर बंद कर दिया और उसके साथ बुरी तरह मारपीट की।

पुरुलिया में 256 एकड़ में बनेगा बंगाल का पहला बड़ा रक्षा विनिर्माण हब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के औद्योगिक परिदृश्य में एक बड़े बदलाव के तहत पुरुलिया का रघुनाथपुर क्षेत्र रक्षा विनिर्माण के एक नए केंद्र के रूप में उभरने जा रहा है। राज्य सरकार ने रघुनाथपुर के जंगल सुंदरी कर्म नगरी फेज-2 औद्योगिक पार्क में जुपिटर डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड को लगभग 256 एकड़ जमीन आवंटित की है। यहां राज्य का पहला बड़ा एकीकृत रक्षा विनिर्माण परिसर स्थापित किया जाएगा, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई गति प्रदान करेगा। ज्ञातव्य है कि यह परियोजना भारत सरकार का सरकारी आयुध कारखाना नहीं है, बल्कि जुपिटर डिफेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्थापित निजी क्षेत्र की पहल है। कोलकाता के मिलन मेला प्रांगण में बीते 23 सितंबर को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की उपस्थिति में आयोजित भूमि आवंटन समारोह में जुपिटर वैगन्स के चेयरमैन एमेरिटस मुरारी लाल लोहिया को जमीन के दस्तावेज सौंपे गए।

साय कैबिनेट की बैठक में लिए गए अहम फैसले

छत्तीसगढ़ में 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी-सीएम साय..

रायपुर। संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आज हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों, सरकारी कर्मचारियों, सड़क निर्माण, पर्यटन, रेल कनेक्टिविटी और खेल समेत कई अहम मुद्दों पर फैसले लिए गए। कैबिनेट ने खरीदविपणन वर्ष 2026-27 में 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने, सरकारी कर्मचारियों और उनके आश्रितों को कैशलेस इलाज की सुविधा देने और मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन के लिए पांच साल में 500 करोड़ का प्रावधान करने को मंजूरी दी। बैठक में पर्यटन विकास मिशन, खेल उत्कर्ष मिशन, औद्योगिक निवेश और कृषक उन्नति योजना में संशोधन से जुड़े

प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी गई। छत्तीसगढ़ में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के तहत 15 नवंबर 2026 से धान खरीदी शुरू होगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, प्रदेश के 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदा जाएगा। धान विक्रय के लिए एग्रीस्टैक आईडी वाले पिछले वर्ष के पंजीकृत किसानों को मान्य किया गया है। ऐसे किसानों को अलग से दोबारा पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं होगी। एग्रीस्टैक में पंजीयन होने के कारण किसानों को धान बेचने के लिए ऋण पुस्तिका भी समिति में अलग से ले जाने की जरूरत नहीं होगी। धान के रकबे का निर्धारण डिजिटल क्रॉप सर्वे



के माध्यम से ऑनलाइन किया जाएगा। वास्तविक किसानों से खरीदी सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक आधारित व्यवस्था अपनाई जाएगी। किसानों को धान बेचने में सुविधा देने के लिए प्रदेश में 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू किए जा रहे हैं। इसके बाद राज्य में कुल 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी होगी।

कैबिनेट ने समितियों में खरीदी के लिए समुचित व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा, खरीदविपणन वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अतिशेष धान का नीलामी के माध्यम से निराकरण करने संबंधी मंत्रिमंडलीय उपसमिति के निर्णय का अनुसमर्थन किया गया है। कैबिनेट ने मुख्यमंत्री

ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-ऊर्जा) योजना के अंतर्गत घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में मिल रही रियायत जारी रखने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, योजना का लाभ लेने के लिए 400 यूनिट तक मासिक बिजली खपत की पात्रता अवधि 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दी गई है। इस फैसले से लगभग 7.25 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को योजना के तहत रियायत का लाभ मिलता रहेगा। बिटुमिन यानी डामर की कीमतों में असाधारण वृद्धि को देखते हुए कैबिनेट ने सड़क निर्माण, नवीनीकरण और रखरखाव से जुड़े ठेकेदारों को मूल्य राहत देने का निर्णय लिया है।

राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े नौ प्रकरण वापस लेने की कार्यवाई

मंत्रिपरिषद ने विशुद्ध रूप से राजनीतिक आंदोलनों से संबंधित नौ प्रकरणों को जनहित में न्यायालय से वापस लेने के लिए आगे की कार्यवाई की अनुमति दी है। यह निर्णय 30 सितंबर 2026 को हुई उपसमिति की बैठक में की गई अनुशंसा के अनुसार लिया गया है। कैबिनेट ने रायपुर जिले की नगर पंचायत कुरा का नाम बदलकर कुवरगढ़ करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। कुवरगढ़ को छत्तीसगढ़ के 36 गढ़ों में शामिल बताया गया है। यह स्थान अपने प्राचीन महिरो, ऐतिहासिक धरोहरों और तालाबों के लिए जाना जाता है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से नगर पंचायत को उसकी ऐतिहासिक पहचान के अनुरूप कुवरगढ़ नाम देने की मांग कर रहे थे। मंत्रिपरिषद ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन को मंजूरी दी है। इसके तहत 1,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक निवेश वाली कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज का प्रावधान किया गया है।

दक्षिण ओडिशा के जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना

अर्नब आ रहा है,आंध्र प्रदेश-ओडिशा में भारी बारिश शुरू छत्तीसगढ़ और एमपी से लेकर बिहार-झारखंड तक अलर्ट

नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अर्नब प्रचंड चक्रवाती तूफान का रूप ले चुका है। चक्रवात अर्नब तेजी से स्थल की ओर बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी के अनुसार यह तूफान 28 अक्टूबर की सुबह आंध्र प्रदेश और यानम तट पर बापटला से विशाखापत्तनम के बीच लैंडफ़ल कर सकता है। लैंडफ़ैल के समय हवा की रफ्तार 115 से 125 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। अर्नब ने अपना रौद्र रूप अभी से दिखाना शुरू कर दिया है। आंध्र प्रदेश-

ओडिशा में भारी बारिश हो रही है।आंध्र प्रदेश के 16 जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। विशाखापत्तनम में ऑरेंज अलर्ट है और बारिश शुरू हो गई है। अगले तीन घंटों में श्रीकाकुलम, विजयनगरम और अनकापल्ली में हल्की बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका है।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग यानी आईएमडी के मुताबिक साइक्लोन का सबसे ज्यादा असर आंध्र प्रदेश में देखने को मिलेगा। आंध्र प्रदेश के तटीय जिले जैसे श्रीकाकुलम, विशाखापत्तनम, काकीनाड़ा, पूर्वी



गोदावरी, पश्चिमी गोदावरी, कृष्णा, गुंटूर, बापटला, प्रकाशम और नेल्लोर सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले हैं। इन जिलों में लाल अलर्ट

जारी किया गया है. भारी बारिश के साथ तेज हवाएं पेड़ों को उखाड़ सकती हैं, बिजली के खंभे गिरा सकती हैं और कमजोर मकानों को

नुकसान पहुंचा सकती हैं। समुद्र का जल स्तर 1 से 1.5 मीटर तक बढ़ सकता है, जिससे तटीय गांवों में बाढ़ आ सकती है। कृषि क्षेत्र में धान की फसल और बागवानी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। मछुआरों के लिए समुद्र में जाना पूरी तरह प्रतिबंधित है. अधिकारियों ने 30 हजार से ज्यादा मछली पकड़ने वाली नौकाओं को सुरक्षित बंदरगाहों में पहुंचा दिया है। गर्भवती महिलाओं को अस्पतालों में रिफ्ट किया जा रहा है ताकि आपात स्थिति में तुरंत इलाज मिल सके।

याचिकाकर्ता ने ईसीका जवाब देने के लिए समय मांगा

ज्ञानेश कुमार और एसआईआर पर सुनवाई दिवाली तक टली...

नई दिल्ली/ एजेंसी

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर और ज्ञानेश कुमार के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। याचिकाओं पर आज सुनवाई होनी थी। हालांकि चुनाव आयोग के लफ्नामे का जवाब देने के लिए याचिकाकर्ता ने समय मांगा। इसके बाद देश के शीर्ष न्यायालय ने 10 दिन की मोहलत दी। अब मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को सुनवाई हो सकती है।सीईसी-एसआईआर मामले के मुख्य



याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिन का समय दिया है। चुनाव आयोग से भी कहा है कि वह दूसरी याचिकाओं पर अपना जवाब

दाखिल करे। दरअसल कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और 13 विपक्षी नेताओं समेत तीन दर्जन याचिकाओं में मतदाता सूची के स्पेशल इंटरैक्टिव रिवीजन यानी एसआईआर, चुनाव आयोग के भीतर फैसले लेने के तरीके और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को चुनौती दी गई है। ज्ञानेश कुमार को कार्यपाली और एसआईआर से जुड़े फैसलों को लेकर दाखिल याचिकाओं पर शीर्ष अदालत में 27 अक्टूबर को सुनवाई होनी थी। इस मामले में चुनाव आयोग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर अपने फैसलों का बचाव किया।

मोगा में दिनदहाड़े फायरिंग, गोली लगने से चार युवक घायल तीन की हालत गंभीर

मोगा। पंजाब के मोगा स्थित अंगदपुरा मोहल्ले में दुकान के बाहर बैठे पांच युवकों पर काले रंग की स्कॉर्पियो से आए कुछ लोगों ने गोलीबारी कर दी। इस घटना में चार युवक गोली लगने से घायल हो गए जबकि एक अन्य युवक को गोली के छर्रे लगने की जानकारी सामने आई है। घायलों में से तीन की हालत गंभीर बरवाई जा रही है। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हमलावर स्कॉर्पियो में सवार होकर मौके पर पहुंचे और युवकों पर फायरिंग शुरू कर दी। गोलीबारी में एक युवक के सिर, दो युवकों के पेट और एक युवक की बांह में गोली लगी है।

युद्ध में शामिल होने के लिए दबाव बनाने का आरोप

नौकरी की तलाश में रूस गया छत्तीसगढ़ का एक युवक लापता

बिलासपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले का एक युवक नौकरी की तलाश में रूस जाने के बाद लापता हो गया है। बिल्हा निवासी विनीत कुमार दुबे 1 अक्टूबर को रूस की राजधानी मॉस्को गया था, लेकिन 7 अक्टूबर के बाद से परिवार का उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। युवक की बहन आशी दुबे ने आरोप लगाया है कि उसके भाई को रूस में बंधक बनाकर प्रताड़ित किया जा रहा है और उस पर युद्ध में शामिल होने का दबाव बनाया जा रहा है। वहन ने बिलासपुर



एसएसपी और कलेक्टर से मुलाकात कर भाई की सुरक्षित वापसी के लिए मदद की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक, विनीत कुमार दुबे नौकरी के सिलसिले में रूस गया था। उसे डेलीग्राम के एक ग्रुप के माध्यम

से नौकरी की जानकारी मिली थी। परिवार का कहना है कि रूस पहुंचने के बाद उसके लिए परिस्थितियां मुश्किल हो गईं। उसे भारतीय दूतावास जाने नहीं दिया गया और मॉस्को के एक होटल में रोककर रखा गया। इसके बाद उसे वोल्गोग्राद भेज दिया गया, जहां एक अपार्टमेंट में रखा गया था। परिजनों के अनुसार, 7 अक्टूबर की सुबह करीब 7 बजे कुछ लोग विनीत को कार में बिठाकर लीस अज्ञात स्थान पर ले गए। वहां उस पर रेजिडेंसी प्राप्त करने और युद्ध में शामिल होने का दबाव बनाया गया।

छत्तीसगढ़ में ईडी की बड़ी कार्यवाई

कारोबारी डागा और दुर्ग के ट्रांसपोर्टर बघेल के ठिकानों पर छापेमारी

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में मंगलवार सुबह प्रवर्तन निदेशालयने कई ठिकानों पर दबिश दी। राजधानी रायपुर और दुर्ग में अधिकारियों की टीम ने कारोबारियों के आवासों पर पहुंचकर जांच शुरू की। रायपुर के पंडरी इलाके के रवि नगर स्थित सुशील विला में कारोबारी नितिन डागा के घर श्वर की टीम दस्तावेजों की जांच कर रही है। वहीं, दुर्ग की ऋषभ ग्रीन सिटी में ट्रांसपोर्टर गुलशन बघेल के आवास पर भी अधिकारियों के पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राजधानी रायपुर के पंडरी इलाके के रवि नगर स्थित सुशील विला में मंगलवार सुबह करीब 4 बजे ईडी की टीम पहुंची। यहां कारोबारी नितिन डागा के आवास पर अधिकारियों ने जांच शुरू की। शुरुआती

जानकारी के अनुसार, टीम दो गाड़ियों में पहुंची थी और घर के अंदर दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। नितिन डागा का ज्वेलरी और जमीन से जुड़ा कारोबार बताया जा रहा है। प्लिहाल, श्वर की टीम किन दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की जांच कर रही है, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। रायपुर के अलावा दुर्ग में भी ईडी की कार्यवाई की जानकारी सामने आई है। यहां ऋषभ ग्रीन सिटी की सातवीं मंजिल पर रहने वाले कारोबारी और ट्रांसपोर्टर गुलशन बघेल के आवास पर टीम पहुंची। बताया जा रहा है कि अधिकारियों की टीम दो गाड़ियों में मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में रायपुर और दुर्ग में प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी भी संचालित है। हालांकि, कंपनी की



गतिविधियों और श्वर की कार्यवाई से उसके किसी संभावित संबंध के बारे में अभी की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में रायपुर और दुर्ग में प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी भी संचालित है। हालांकि, कंपनी की

रहा है। हालांकि, छापेमारी इसी मामले के संबंध में की जा रही है या नहीं, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जांच के पीछे की वजह और संबंधित व्यक्तियों की की जा रही इस कार्यवाई को भारतमाला प्रोजेक्ट से जुड़े मामले से जोड़कर देखा जा

वाणिज्यिक कर अधिकारी की संपत्ति आय से 2.64 गुना, लोकायुक्त का छापा; जबलपुर से भोपाल तक प्रॉपर्टी

आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत पर लोकायुक्त ने वाणिज्यिक कर अधिकारी मनीष कुमार जैन के जबलपुर स्थित निवास पर मंगलवार सुबह छापा मारा। सुबह छह बजे शुरू हुई कार्यवाई में अधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर जमीन, मकान, प्लेटे, वाहन और बीमा पॉलिसियों की जानकारी सामने आई है। लोकायुक्त की अब तक की जांच के अनुसार, अधिकारी की कुल आय करीब 1.03 करोड़ रुपये है, जबकि उनके द्वारा करीब 3.78 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की जानकारी मिली है। यह खर्च उनकी कुल आय का 264.64 प्रतिशत बताया गया है। कार्यवाई के दौरान संपत्तियों से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है। लोकायुक्त के मुताबिक, मनीष कुमार जैन के नाम पर जबलपुर में 278.74 वर्गमीटर जमीन मिली है। इसकी अनुमानित कीमत करीब 1.43 करोड़ रुपये बताई गई है। उनकी पत्नी निधि जैन के नाम पर भी जबलपुर में भूखंड है। इसके अलावा भोपाल में पत्नी के नाम पर 180 वर्गमीटर जमीन पर बना बंगला और एक प्लेट होने की जानकारी सामने आई है। पत्नी के नाम पर 402.41 वर्गमीटर का एक अन्य भूखंड भी दर्ज बताया गया है। जांच में अधिकारी की मां शशि जैन के नाम पर सागर जिले के बंडा में 92.93 वर्गमीटर के भूखंड पर मकान होने की जानकारी मिली है। वहीं, पिता कोमलचंद जैन के नाम पर भी बंडा में दो भूखंडों पर मकान बनाए जाने की बात सामने आई है।



रैली टालने की अपील दुकराई

दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों के प्रमुख संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल गांधी से विपक्षी दलों की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को टालने का जो अनुरोध किया था, उसे उन्होंने ठुकरा कर संवेदनहीनता और हठधर्मी का ही परिचय दिया। यह संगठन बस इतना चाह रहा था कि रैली भाई दुज के बाद की जाए, ताकि वे नुकसान से बच सकें। राहुल गांधी और उनके सहयोगी-साथी इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि धनरेस एवं दीवाली के पहले बड़े पैमाने पर खरीदारी होती है। उन्हें इसका भी आभास होना चाहिए था कि दिल्ली के कुछ इलाकों और खासकर कनाट प्लेस के व्यापारी कांग्रेस और काकोरोच जनता पार्टी के अनवरत धरना-प्रदर्शन से पहले ही नुकसान उठा चुके हैं। समस्या केवल यह नहीं कि राहुल ने व्यापारियों के अनुरोध पर तनिक भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई, बल्कि यह भी है कि उन्होंने उनके पत्र के तीन दिन बाद अपनी निष्पूर प्रतिक्रिया में यह कहा कि उन्हें पीएम मोदी से मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने को कहना चाहिए। इसे बचकानेपन के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। राहुल अच्छे से जानते हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल महाभियोग के जरिये हटया जा सकता है और उसे संसद से पारित कराने की उनमें समर्थ्य नहीं। वास्तव में इसीलिए वे कुतर्कों के सहारे यह माहौल बना रहे कि प्रधानमंत्री उनके झूठे आरोपों के कारण उन्हें हटा दें। यह राजनीतिक अपरिपक्वता की पराकाष्ठा ही है।

वोट चोरी का राहुल गांधी का शिगूफा भी झूठ पर ही टिका है। वे और अन्य विपक्षी नेता वोट चोरी का झूठ कितना ही दोहराएँ, वे इसे सच सिद्ध करने में नाकाम हैं। राहुल वोट चोरी का तबसे शोर मचा रहे, जबसे बिहार में एसआईआर हुआ था, लेकिन वे अपने पक्ष में जमजमा बनाने में समर्थ नहीं हुए। इसी से वे खोड़े हुए हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि झूठ के पांव नहीं होते। वे झूठ के सहारे कई बार अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन उनकी दाल नहीं गली। एसआईआर को वोट चोरी कहने के पहले राहुल और उनके साथियों ने ईवीएम को निशाने पर लिया था, लेकिन नाकाम ही रहे।

 आज का राशिफल
मे़ष राशि :- कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतें तथा हर्षप्रद समाचार प्राप्त हो। वृष राशि :- कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक समृद्धि के साधन। मिथुन राशि :- तनाव व्लेश व अशांति, धन का व्यय, मानसिक खिन्नता, अवश्य बनेगी। कर्क राशि :- बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप होवे तथा सुख समृद्धि के साधन अवश्य बनेंगे। सिंह राशि :- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, भोग कार्य की प्राप्ति होगी, कार्य गति उत्तम बने। कन्या राशि :- प्रतिष्ठा बाल बाल बचें, संघर्ष से अधिकार प्राप्त करें, भाग्य का साथ दें। तुला राशि :- कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहे, परिश्रम से सोचे कार्य अवश्य ही बनेंगे, ध्यान दें। वृश्चिक राशि :- प्रत्येक कार्य में बाधाएँ, व्लेश युक्त रखे, स्थिति साम्थर्य के योग अवश्य बनें। धनु राशि :- भावनाएं विक्षुब्ध रखे, दैनिक कार्यगति मंद रहे, परिश्रम से कार्य अवश्य बनेंगे। मकर राशि :- चिन्ताएँ कम हो, सफलता के साधन जुटाए तथा शुभ समाचार अवश्य मिलेंगे। कुंभ राशि :- अधिकारियों के समर्थन से सफलता, कार्य कुशलता से संतोष होवे, बिगड़े कार्य बनेंगे। मीन राशि :- धन का व्यय संभव है, तनाव पूर्ण वार्ता से बचिएगा, कार्य का ध्यान अवश्य रखें।

उत्तर प्रदेश का निर्णायक प्रश्न

डॉ. मनिष दाभाडे। आगामी विधानसभा चुनावों वाले राज्यों में सबसे अधिक चर्चा में है उत्तर प्रदेश, क्योंकि केंद्र की सत्ता का रास्ता इसी राज्य से होकर जाता है। ऐसे में, इस प्रदेश का विधानसभा चुनाव केवल इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि कौन-सा दल किन जातियों का बड़ा गठजोड़ बना सकता है। असली प्रश्न यह है कि नागरिक अपनी सरकार से क्या अपेक्षा रखता है: सुरक्षा, अवसर, सम्मान और विकास या फिर शिकायत दर्ज कराने, नौकरी पाने और सरकारी लाभ तक पहुंचने के लिए किसी जातीय संरक्षक की तलाश?

योगी आदित्यनाथ के पक्ष में मजबूत तर्क यही है कि उन्होंने राजनीति की दिशा को जातीय संरक्षण से निकालकर कानून के शासन की ओर मोड़ने का प्रयास किया है। अखिलेश यादव की राजनीति का केन्द्रीय सूत्र 'पीडीए'-पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक-है। सामाजिक न्याय का प्रश्न महत्वपूर्ण है, प्रतिनिधित्व भी जरूरी है, मगर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य को केवल जातियों के जोड़-घटाव से नहीं चलाया जा सकता। राज्य तब आगे बढ़ता है जब हर नागरिक को यह भरोसा हो कि कानून उसकी जाति, पंथ, उपनाम देखकर नहीं बदलेगा। हाल की राजनीतिक भाषा में यह अंतर साफ दिखता है। 2017 से पहले प्रदेश में ‘रूल आफ माफिया’ था और अब ‘रूल आफ ला’ है। योगी का यह कथन केवल राजनीतिक नारा नहीं, का प्रयास की स्पष्ट अवधारणा है। दूसरी तरफ अखिलेश यादव अपनी रणनीति को मुस्लिम-यादव आधार, पीडीए और युवाओं की नाराजगी के गठजोड़ के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। एक ओर राज्य की प्रकृति का प्रश्न है। दूसरी ओर सत्ता तक पहुंचने के लिए सामाजिक समूहों की चुनावी गोलबंदी। जाति का प्रश्न अप्रामाणिक नहीं है। उत्तर प्रदेश में वंचित रहे दलितों, पिछड़ों और कमजोर वर्गों को प्रतिनिधित्व, आश्रण, सम्मान और सुरक्षा चाहिए, लेकिन सामाजिक न्याय और जातिवादी राजनीतिक संरक्षण एक ही बात नहीं। किसी दलित-पिछड़े परिवार को अन्याय के समय यह आश्वासन नहीं चाहिए कि चुनाव बाद उसकी जाति की राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ेगी। किसी गरीब पिछड़े युवा को सरकारी नौकरी के लिए निष्पक्ष परीक्षा चाहिए, किसी मंत्री या स्थानीय दलाल तक पहुंच नहीं। यदि थाने निष्पक्ष हैं, भर्ती पारदर्शी हो, राशन और आवास योजना बिचौलियों के बिना मिले, सड़क और बिजली हर गांव तक पहुंचे, तो जाति की राजनीतिक निर्भरता स्वाभाविक रूप से कमजोर होगी। यह जाति की सामाजिक वास्तविकता से आंख चुराना नहीं। नागरिक को जाति-आधारित राजनीतिक संरक्षकत्व से मुक्त करना है। योगी शासन में 2017 से अब तक 9.5 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी गई हैं और आगे भी बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का लक्ष्य है। योगी सरकार का गैर-राजपूत्रित समूह ‘ख’, ‘ग’ और ‘च’ के अनेक पदों में साक्षात्कार की व्यवस्था समाप्त करने का फैसला भी महत्वपूर्ण रहा। साक्षात्कार वह स्तर था, जहां सिफारिश, पहचान और प्रभाव की आशंका सबसे अधिक होती थी। प्रतिनिधित्व के आंकड़े भी इस तर्क को बल देते हैं। 2024 में उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार लोक सेवा चयन आयोग की 46,675 नियुक्तियों में 17,929 चर्यान्त अपभ्रंशी ओबीसी वर्ग से थे यानी लगभग 38.41 प्रतिशत। ऐसी-एसीटी के चर्यान्तों को जोड़ दें तो आरक्षित वर्गों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत से अधिक रही। यह आंकड़ा सभी सरकारी नियुक्तियों का समग्र चित्र नहीं है, फिर भी यह उच्च धारणा को चुनौती देता है कि वंचित समुदायों की प्रगति केवल उन्हीं दलों के माध्यम से संभव है, जो उनकी पहचान पर विशेष राजनीतिक दावा करते हैं। पीडीए के पक्ष में आवाज उठाते हुए सपा को यह भी स्पष्ट करना होगा कि राज्य की संस्थाओं की जातीय प्रभाव से मुक्त कैसे रखा जाएगा? छोटी और अति-पिछड़ी जातियां बड़े सामाजिक समूहों के वर्चस्व से कैसे बचेंगी?

स्तरहीनता एवं विरोध की भाषा में उलझती कांग्रेस

- ललित गर्ग

लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष एक-दूसरे के विरोधी अवश्य होते हैं, लेकिन उनकी भाषा शत्रुता की नहीं, वैचारिक प्रतिस्पर्धा की होनी चाहिए। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की शक्ति हैं, पर जब ये मतभेद व्यक्तिगत कटाक्ष, पारिवारिक टिप्पणियों और अपमानजनक शब्दों में बदलने लगते हैं, तब राजनीति का स्तर गिरता है और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होती है। भारतीय राजनीति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस के अनेक नेताओं की आक्रामक टिप्पणियाँ और अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के पटना में दिए गए विवादास्पद बयान ने एक बार फिर भापाई मर्यादा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 25 अक्टूबर 2026 को पटना में बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में खड़गे की एक टिप्पणी राजनीतिक विवाद का कारण बन गई। कार्यक्रम में उपस्थित एक व्यक्ति की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा, ‘मोदी का बाप भी जाएगा।’ इस बयान की भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने तीखी आलोचना की। दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस टिप्पणी को वैचारिक संदर्भ में समझाने का प्रयास किया। समाचारों के अनुसार संबंधित व्यक्ति ने भी बाद में कहा कि उसकी पूरी बात नहीं सुनी गई थी। इस घटनाक्रम के विभिन्न पक्ष अपनी-अपनी व्याख्या प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन विवाद से अलग एक बुनियादी प्रश्न अपनी जाह्न कायम है-क्या देश के सर्वोच्च राजनीतिक पद पर आसीन व्यक्ति के प्रति विरोध जताने का यही तरीका होना चाहिए?

आखिर क्यों नहीं बदलते फारुख अब्दुल्ला?

- राकेश अवल

भारत की राजनीति में डा फारुख अब्दुल्ला मुझे सबसे अलग राजनेता लगते हैं वे न डरते हैं और न किसी को डराते हैं.सत्ता,समन्वय,साफगोई उनकी पहचान है.नेशनल कॉन्ग्रेस के प्रमुख हैं डाक्टर फारुक अब्दुल्ला. उन्होंने बारामूला में रैली में एक बार फिर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को फिर से बहाल करने की मांग की. फारुक अब्दुल्ला साहब बोलें और बवाल न हो,ऐसा कभी होता नहीं.वे मुल:क के हर निजाम के साथ रहे मुखालफत भी की लेकिन जो बोलना जरूरी समझा सो बोला.भले ही कोई उन्हें राष्ट्रद्रोही कहे या कुछ और. केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में फिर से धारा 370 बहाल करने की मांग करते हुए कहा, ‘वे पूरी तरह स्वतंत्र हैं. जब मैंने वे दस्तावेज देखे तो आप दिल्ली से क्या उम्मीद कर सकते हैं? क्या आपको लगता है कि वे (दिल्ली) आपको न्याय दिलाएंगे? लड़ने की हिम्मत रखिए, वरना आप खत्म हो जाएंगे और आपकी पहचान मिट जाएगी.’ उन्होंने कहा, ‘वे (दिल्ली) आज दुनिया के दबाव के कारण चुप हैं. हमारा पड़ोसी लगातार उनके पीछे पड़ा है. वह हर जगह जाकर कहता है कि कश्मीर का मुद्दा अभी तक हल नहीं हुआ है. वह हमारी रक्षा कर रहा है. वरना, इनके (दिल्ली के) इरादे नेक नहीं हैं.’ जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला के पाकिस्तान वाले बयान पर जमकर बवाल छिड़ गया है. भाजपा से



लेकर कांग्रेस तक ने उनपर निशाना साधा है. अब्दुल्ला नेशनल कॉन्ग्रेस पार्टी के चीफ हैं और यह दल विपक्षी इंडिया गठबंधन का सदस्य भी है,

फारुक अब्दुल्ला के विवादित बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी है. जम्मू कश्मीर के प्रवक्ता अलताफ ठाकुर ने उनके खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है. ठाकुर ने कहा, ‘जिस नेता ने संविधान के तहत शपथ ली हो, उसे देश को ऐसा नहीं दिखाना चाहिए कि मानो वह अपने ही लोगों के हितों के खिलाफ काम कर रहा हो.’

विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने झू प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट साझा कर कहा, ‘अब्दुल्ला का बयान भारत के साथ विश्वासघात करने के समान है. फारुक अब्दुल्ला को पाकिस्तान समर्थक और राष्ट्रविरोधी बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए. अब

इसे और बढ़ाशत नहीं किया जाएगा. कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने भी फारुक अब्दुल्ला के बयान से असहमति जताई. मुझे लगता है कि डाक्टर फारुख अब्दुल्ला को अंदाजा होता है कि उनके बोलने की क्या प्रतिक्रिया होगी.फिर भी बोलते हैं.डरते नहीं हैं.आजकल वे जहाँ हैं वहाँ हैं.वे कन्यूज नहीं होते.लोगों को कन्यूज कर देते हैं.यही उन्हें सबसे अलग बनाता है. धारा 370 के शिकार लद्दाख वाले भी हैं लेकिन लद्दाख के सोमम वांग्चुक डर गए हैं.उन्हे अपने मुठभेड़ में मारे जाने की आशंका है.इसीलिए सोमम अपने आंदोलन को आगे नहीं बढ़ा रहे.वहीं फारुख अब्दुल्ला के सुर नहीं बदले. फारुख साहब के इस रुख से सियासत पर कितना असर पड़ेगा या नहीं पड़ेगा? कहना मुश्किल है.लेकिन उन्होंने भाजपा के लिए आधाशोशी की वेदना तो फिलहाल दे ही दी है.



खड़गे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं और लंबे राजनीतिक अनुभव के साथ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। ऐसे व्यक्ति से सार्वजनिक मंच पर अधिक संयम और विवेक की अपेक्षा स्वाभाविक है। राजनीतिक सभा में कोई प्रतिकूल टिप्पणी हो जाए, तो उसका उत्तर तर्क, तथ्य और आत्मविश्वास से दिया जा सकता है। लेकिन जब जवाब व्यक्तिगत संबंधों और परिवार तक पहुंच जाए, तब मुद्दे की गंभीरता पीछे छूट जाती है और शब्दों का विवाद मुख्य समाचार बन जाता है। राजनीति में शब्द केवल वक्ता की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं होते, वे उसकी सार्वजनिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक संस्कारों की भी परीक्षा लेते हैं। कांग्रेस की राजनीति में नरेंद्र मोदी को लेकर तीखे और विवादास्पद वक्तव्यों का इतिहास भी इस बहस को व्यापक संदर्भ देता है। वर्ष 2007 में सोनिया गांधी ने गुजरात

विधानसभा चुनाव के दौरान मोदी के लिए ‘मौत का सौदागर’ शब्द का प्रयोग किया था। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में मणिशंकर अय्यर की ‘चायवाला’ संबंधी टिप्पणी ने भी बड़ा राजनीतिक विवाद पैदा किया। बाद के वर्षों में राहुल गांधी के ‘चीकीदार चोर है’ नारे ने राजनीतिक बहस को व्यक्तिगत आरोपों की दिशा में मोड़ा। इन बयानों के पीछे अपने-अपने राजनीतिक संदर्भ और वक्ताओं की दलीलें रही हैं, लेकिन इनका सार्वजनिक प्रभाव इस प्रश्न को सामने लाता है कि क्या किसी नेता की आलोचना उसके कामकाज तक सीमित रखी जा सकती है, अथवा उसे व्यक्तिगत उपहास का विषय बनाना आवश्यक समझा जाने लगा है? प्रियंका गांधी सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने भी मोदी और उनकी सरकार के विरुद्ध कई अवसरों पर तीखे राजनीतिक हमले किए हैं। यह ध्यान रखना जरूरी है कि तीखी आलोचना अपने आप में अमर्यादित नहीं होती। सरकार की नीतियों, बेरोजगारी, महंगाई, सामाजिक सद्भाव, लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक निर्णयों पर कठोर सवाल उठाना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब नीतिगत असहमति को व्यक्तिगत अपमान से जोड़ दिया जाता है और तर्क के स्थान पर कटाक्ष को राजनीतिक प्रभाव का माध्यम बनाया जाने

लगता है। किसी नेता के प्रत्येक बयान को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं, लेकिन बार-बार होने वाले विवादों से राजनीतिक भाषा के स्तर पर विचार करने की आवश्यकता अवश्य पैदा होती है। यहां कांग्रेस के सामने एक बड़ी चुनौती है। विपक्ष के रूप में उसकी सार्थकता इस बात से तय होगी कि वह जनता के जीवन से जुड़े प्रश्नों पर कितना प्रभावी विमर्श खड़ा करती है। किसानों की समस्याएं, युवाओं के रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक असमानता और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर ठोस विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। यदि सार्वजनिक चर्चा बार-बार प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत टिप्पणियों तक सिमट जाती है, तो नीतिगत बहस पीछे छूटने का खतरा रहता है। इससे विपक्ष की आलोचना का वास्तविक आधार भी कमजोर पड़ सकता है। राजनीतिक विमर्श में मुद्दों की जगह व्यक्तिगतों को केंद्र में रख देने से लोकतंत्र को अपेक्षित लाभ नहीं मिलता। दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का व्यक्तिव और उनकी वैश्विक सक्रियता भारतीय राजनीति के महत्वपूर्ण पहलू हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनकी विदेश यात्राएं, विभिन्न देशों के नेतृत्व के साथ संवाद, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सभा की भागीदारी और आर्थिक एवं रणनीतिक साझेदारियों को आगे बढ़ाने के प्रयास देश की वैश्विक भूमिका से जुड़े हैं। उनके समर्थक इन गतिविधियों को भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव में वृद्धि के रूप में देखते हैं। साथ ही, किसी भी प्रधानमंत्री के कार्यकाल का निष्पक्ष आकलन केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर से नहीं, बल्कि घरेलू नीतियों, आर्थिक परिणामों, सामाजिक समावेशन और शासन के रिकॉर्ड से भी किया जाना चाहिए।

तकनीक आधारित विकास को गति

डॉ. जितेंद्र सिंह
फरवरी 2006 में पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर कहा था, ‘समाज में परिवर्तन लाने का सबसे महत्वपूर्ण आधार मुख्य रूप से विज्ञान से ही आएगा।’ लगभग दो दशक बाद कलाम जी के ये शब्द पूरी तरह सही सिद्ध हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीक आधारित विकास को गति देते हुए ‘विकसित भारत’ की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारत की इस प्रगति पर पूरी दुनिया का ध्यान गया है। वैज्ञानिक प्रगति का वास्तविक मूल्य लोगों के जीवन को बेहतर बनाने, समस्याओं का समाधान करने और नए अवसर पैदा करने की उसकी क्षमता में निहित है।
भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षाएं केवल आर्थिक विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे तक सीमित नहीं हैं। इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, अधिक उत्पादक कृषि, मजबूत उद्योग, युवाओं के लिए अधिक अवसर और प्रत्येक नागरिक के जीवन स्तर में सुधार भी शामिल हैं। इन सभी आकांक्षाओं को पूरा करने में हमारे पास एक बड़ा ध्यान गया है। हमारा दायित्व यह है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने। यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। आज से आरंभ हो रहा इसका दूसरा संस्करण ईएसटीआईसी 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को ही आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच

संबंधों को और मजबूत करना है। यह सम्मेलन विज्ञानियों, नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के अग्रणी लोगों, उद्यमियों और युवा शोधकर्ताओं को एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए एक मंच पर लाता है। आज हमारे सामने कुछ ऐसे सवाल हैं-वैज्ञानिक प्रगति किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में किस तरह मदद कर सकती है? अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है? उद्योग उन्नत प्रौद्योगिकियां विकसित कर वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कैसे सकते हैं और आयात पर निर्भरता कैसे कम कर सकते हैं? युवाओं के लिए नए अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं? इनके जवाब ढूंढें एक संस्थान या विषय अपने दम पर नहीं दे सकता। इसके लिए विज्ञानियों को उद्योग जगत के साथ मिलकर काम करना होगा, शोधकर्ताओं को व्यावहारिक जरूरतों को समझना होगा और नीति-निर्माताओं को ऐसा वातावरण तैयार करना होगा, जिसमें संभावनाओं से भरे विचारों को परखा और विकसित किया जा सके।
ईएसटीआईसी इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उन्नत विनिर्माण, ऊर्जा प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, महासागर विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, भूमिगत विज्ञान एवं समुद्री प्रौद्योगिकी, सुनिश्चित करना है कि हम जो ज्ञान विकसित करें, वह सार्थक बदलाव लाने का माध्यम बने। यही उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2026 का व्यापक उद्देश्य है। आज से आरंभ हो रहा इसका दूसरा संस्करण ईएसटीआईसी 2025 में शुरू हुए राष्ट्रीय संवाद को ही आगे बढ़ा रहा है। इसका उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार और उनके व्यावहारिक उपयोग के बीच

आखिर क्यों धधक रहा है फ्रांस और अन्य यूरोपीय देश?

- कमलेश पाडेय

यूरोप में हिंसक विरोध-प्रदर्शनों, दंगों, आगजनी और पुलिस के साथ टकराव को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं समझा जा सकता। चूंकि इसके पीछे आर्थिक असंतोष, सामाजिक विभाजन, आब्रजन और एकीकरण की बहस, राजनीतिक ध्रुवीकरण, युवाओं में भविष्य को लेकर चिंता तथा पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास का संकट जैसे कई कारक हो सकते हैं।

लेकिन एक बुनियादी अंतर समझना जरूरी है, वह यह कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन लोकतांत्रिक अधिकार है, जबकि आगजनी, लूटपाट, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और लोगों पर हमले अपराध हैं। किसी प्रदर्शन में हिंसा होने का अर्थ यह नहीं कि उसमें शामिल हर व्यक्ति हिंसक है या पूरा समुदाय उसके लिए जिम्मेदार है। शायद इसी भ्रम में देश के देश जल रहे हैं और पुलिस तत्काल बहुत कुछ कर नहीं पाती। इससे आताइयों के हौसले बुलंद हैं और लोकतांत्रिक सत्ता अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रही है। भले ही फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों की परिस्थितियाँ भी एक जैसी नहीं हैं। इसलिए यह देखना आवश्यक है कि अशांति किस कारणों से भड़कती है, पुलिस की कार्रवाई कहीं कितन हो जाती है और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हिंसा रोकने के लिए कौन-से उपाय प्रभावी हो सकते हैं। सवाल है कि अक्टूबर 2026 में फ्रांस में वास्तव में क्या हो रहा है? तो जवाब होगा कि फ्रांस में सितंबर के अंत से शुरू हुआ छात्र आंदोलन अक्टूबर में व्यापक अशांति में बदल गया। पारंपरिक असंतोष स्कूलों की खराब सुविधाओं, शिक्षकों की कमी और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों को लेकर था। बाद में महंगाई, जीवन-यापन की बढ़ती लागत और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति जैसे मुद्दे भी आंदोलन से जुड़ गए।

आखिर पेरिस सहित कई शहरों में लूटपाट, तोड़फोड़



और पुलिस से टकराव हुए। सरकार को बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात करने पड़े और कुछ क्षेत्रों में रात्रिकालीन कर्फ्यू प्रतिबंध लगाए गए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था की तैयारियों और हिंसा के पूर्वानुमान में कमियों को भी स्वीकार किया। इसी समय इटली में भी जीवन-यापन की लागत, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों के बीच प्रदर्शन हिंसक हुए। स्पेन और पुर्तगाल में आवास की समस्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। हालाँकि, इन सभी घटनाओं के कारण और उनका स्वरूप अलग-अलग हैं।

स सवाल है कि आखिर यूरोप में असंतोष बार-बार क्यों भड़कता है? तो इसके कुछ कारण हैं जो निम्नलिखित हैं:- **पहला, महंगाई**, आवास और आर्थिक असुरक्षा: जब किराया, ऊर्जा, परिवहन और रोजगार के खर्च बढ़ते हैं, लेकिन आय और रोजगार के अवसर उसी गति से नहीं बढ़ते, तो लोगों में व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ सकती है। युवाओं के लिए अच्छी शिक्षा, रोजगार और स्वतंत्र जीवन की संभावनाएँ सीमित महसूस होना इस असंतोष को और बढ़ा सकता है। **दूसरा**, सार्वजनिक

सेवाओं पर दबाव: स्कूलों में शिक्षकों की कमी, जरूर सुविधाएँ और स्थानीय सेवाओं की कमजोर स्थिति नागरिकों को यह महसूस करा सकती है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं मिल रही। फ्रांस के हालिया आंदोलन में शिक्षा से जुड़ी शिकायतें शुरुआती मुद्दों में शामिल थीं। **तीसरा**, सामाजिक अलगाव और अवसरों में असमानता: कुछ शहरी और वंचित इलाकों में रोजगार, शिक्षा और सामाजिक उन्नति के अवसरों की कमी असंतोष को गहरा सकती है। यदि नागरिकों को लगता है कि संस्थाएँ उनकी बात नहीं सुनतीं या उनके साथ भेदभाव होता है, तो राज्य पर भरोसा कमजोर पड़ सकता है। लेकिन इसे हर उद्भव का एकमात्र कारण मानना उचित नहीं होगा। **चौथा**, राजनीतिक ध्रुवीकरण और आंदोलन का हिंसक हो जाना: किसी जायज मांग के साथ बड़ी संख्या में लोग शांतिपूर्वक जुट सकते हैं, लेकिन कुछ समूह उसी भीड़ का इस्तेमाल तोड़फोड़, लूटपाट या पुलिस को उकसाने के लिए कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने वाली तस्वीरें और संदेश भी तनाव बढ़ा सकते हैं। आंदोलन की मांगों और हिंसा करने वाले व्यक्तियों की जिम्मेदारी को अलग-

अलग समझना जरूरी है। **पाँचवाँ**, आब्रजन और राष्ट्रीय पहचान पर विवाद: यूरोप के अनेक देशों में आब्रजन, शरणार्थियों के एकीकरण, राष्ट्रीय पहचान और सार्वजनिक संसाधनों के वितरण पर राजनीतिक बहस चलती रही है। ये विवाद ध्रुवीकरण बढ़ा सकते हैं, लेकिन फ्रांस की अक्टूबर 2026 की हिंसा के लिए किसी विशेष धार्मिक या प्रवासी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने के पर्याप्त प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि आर्थिक असंतोष हिंसा की पृष्ठभूमि तैयार कर सकता है, लेकिन वह हिंसा को उचित नहीं ठहराता। इसी प्रकार, किसी अपराधी की पहचान या पृष्ठभूमि के आधार पर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना भी तथ्यपरक समाधान नहीं है। सवाल है कि उपाती और हिंसक भीड़ पर नियंत्रण में पुलिस क्यों पिछड़ जाती है? तो जवाब होगा कि यह इस पूरे संकट का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। अक्टूबर 2026 की फ्रांसीसी घटनाओं में पुलिस की विफलता के कुछ ठोस कारण सामने आए हैं। इन्हें केवल पुलिस की कमजोरी या इच्छाशक्ति की कमी कह देना अधूरा विश्लेषण होगा। फ्रांस में 17 अक्टूबर के प्रदर्शनों के लिए भीड़ का अनुमान वास्तविक संख्या से काफी कम रहा। आंतरिक मंत्रालय के शुरुआती अनुमान लगभग 60,000-110,000 प्रदर्शनकारियों के थे, जबकि बाद में संशोधित अनुमान 200,000 तक पहुँचे और मंत्रालय ने वास्तविक उपस्थिति लगभग 550,000 बताई। यह सरकारी अनुमान है, स्वतंत्र रूप से सत्यापित अंतिम गणना नहीं। इतनी बड़ी भीड़ के बीच हिंसा करने वाले छोटे समूहों की पहचान और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा कठिन हो जाती है। यदि कई शहरों में एक साथ हिंसा फैलती है, तो पुलिस को लोगों की सुरक्षा, दुकानों की रक्षा, यातायात नियंत्रण और हिंसक घटनाओं पर कार्रवाई जैसे अनेक काम करने पड़ते हैं। फ्रांस की हालिया घटनाओं में पुलिसकर्मियों की संख्या और तैनाती के समय को लेकर भी सवाल उठें।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय उचित मूल्य
दुकानों के आबंटन हेतु
आवेदन 30 अक्टूबर तक

बिलासपुर। जिले के मस्तुरी विकासखण्ड अंतर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान शिफ्टिकारी, वेद परसदा एवं मड़ई के नवीन आबंटन के लिए 30 अक्टूबर 2026 तक शाम 5 बजे तक बंद लिफाफे में आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। ग्राम पंचायत एवं स्थानीय नगरीय निकाय, महिला स्व सहायता समूह, प्राथमिक कृषि साख समितियां, अन्य उपभोक्ता सहकारी समितियां, राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम, वृहदाकार आदिम जाति बहुदेशीय सहकारी समिति (लेम्पस) एवं वन सुरक्षा समितियों के आवेदन ही स्वीकार किये जाएंगे। निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ संस्था के पंजीयन की सत्यापित प्रतिलिपि, बैंक खाते की सत्यापित प्रतिलिपि, विगत 3 माह का बैंक स्टेटमेंट, दुकान संचालन संबंधी संस्था द्वारा पारित प्रस्ताव की प्रतिलिपि, संस्था द्वारा विगत तीन माह में की गई गतिविधियों के संबंध में समूह का कार्यवाही, प्रस्ताव पंजी की सत्यापित प्रतिलिपि एवं संस्था प्रमुख द्वारा आवेदन के संबंध में निष्पादित शपथ पत्र मूलतः संलग्न करना अनिवार्य है। आवेदन अथवा दस्तावेज पूर्ण नहीं होने की स्थिति में आवेदन निरस्त होने पर आवेदक संस्था जिम्मेदार होंगे।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना के लिए पंजीयन एवं सत्यापन 31 अक्टूबर तक

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत विद्यार्थियों के पंजीयन एवं आवेदनों के सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। जिले से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कुल 48 विद्यार्थियों के नाम मेरिट सूची में शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि पंजीयन एवं सत्यापन के लिए राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर 8 अक्टूबर से लिंक उपलब्ध है। विद्यार्थी पोर्टल के मुख्य पृष्ठ पर मेरिट सूची एवं आवश्यक दिशा-निर्देश देख सकते हैं। बोर्ड परीक्षा के अनुक्रमांक से स्वयं पंजीयन कर स्थायी जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र के आवेदन संदर्भ क्रमांक का उपयोग करते हुए आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी का महाविद्यालय में अध्ययनरत होना आवश्यक है। इसके लिए पोर्टल पर उपलब्ध बोनाफ़ाइड प्रमाण पत्र का प्रारूप डाउनलोड कर संबंधित महाविद्यालय से प्रमाणित कराना होगा। प्रमाणित पत्र एवं महाविद्यालय की फीस रसीद अपलोड करने के साथ बैंक खाते की जानकारी दर्ज कर पूर्ण आवेदन कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाले विद्यालय को भेजना होगा। आवेदनों का सत्यापन पहले संबंधित विद्यालय और उसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

खाद्य निरीक्षकों के प्रभार क्षेत्रों में बदलाव, नवीन पदस्थापना आदेश

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले के पांच खाद्य निरीक्षकों की पदस्थापना एवं प्रभार क्षेत्रों में परिवर्तन का आदेश जारी किया है। कार्यालय कलेक्टर खाद्य शाखा के पूर्व 14 नवंबर 2024 में आंशिक संशोधन करते हुए आगामी आदेश तक नई व्यवस्था लागू की गई है। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा। जारी आदेश के अनुसार खाद्य निरीक्षक श्री जितेन्द्र वासुदेव को अनुविभाग पेंड्रारोड में पदस्थ करते हुए विकासखंड गौरेला के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों की शासकीय उचित मूल्य दुकानों का प्रभार सौंपा गया है। वे पूर्व में विकासखंड पेंड्रा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों का प्रभार संभाल रहे थे। श्री राहुल सिंह राजपूत को अनुविभाग मरवाही में पदस्थ करते हुए विकासखंड मरवाही की निर्धारित शासकीय उचित मूल्य दुकानों का प्रभार दिया गया है। वे पूर्व में विकासखंड गौरेला के ग्रामीण क्षेत्र की दुकानों के प्रभारी थे। उनके नवीन प्रभार में दुकान आईडी 402010001 से 402010017, 402010019 से 402010023, 402010044 से 402010059, 402010074, 402010075, 402010077, 642010078, 642010080 से 642010085, 642010089 एवं 642010090 शामिल हैं। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा में पदस्थ सुश्री नेहा पाटले को अनुविभाग मरवाही/पेंड्रारोड में पदस्थ करते हुए विकासखंड मरवाही की दुकान आईडी 402010018, 402010024 से 402010043, 402010060 से 402010073, 402010076, 642010079, 642010086 एवं 642010087 का प्रभार सौंपा गया है। श्री आशीष पाण्डेय को अनुविभाग मरवाही से अनुविभाग पेंड्रारोड में पदस्थ करते हुए विकासखंड पेंड्रा के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों का प्रभार दिया गया है। उनके पूर्व प्रभार वाली मरवाही की निर्धारित दुकानों की जिम्मेदारी अब श्री राहुल सिंह राजपूत संभालेंगे। श्री अरविन्द चंद्रा कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा में पदस्थ रहते हुए विकासखंड गौरेला के शहरी क्षेत्र की शासकीय उचित मूल्य दुकानों का प्रभार संभालेंगे।

जसकरण सिंह के पांच गोलों के बावजूद बैलाडीला बुल्स जीत से दूर, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने 5-5 से ड्रां कराया मुकाबला

■ छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में रोमांचक मुकाबला, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने हासिल किया पहला अंक

■ जसकरण सिंह बने ‘प्लेयर ऑफ़ द मैच’, अंकतालिका में बैलाडीला बुल्स चौथे और संस्कारधानी स्ट्राइकर्स पांचवें स्थान पर

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में आज खेले गए बेहद रोमांचक मुकाबले में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स और बैलाडीला

बुल्स के बीच मैच 5-5 से ड्रां रहा। बैलाडीला बुल्स के जसकरण सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अकेले पांच गोल दागे, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। वहीं, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने जबरदस्त संघर्ष करते हुए मुकाबला बराबरी पर समाप्त किया और प्रतियोगिता में अपना पहला अंक हासिल किया। शमशेर और चिंगलेनसाना सिंह के नेतृत्व वाली दोनों टीमों को टूर्नामेंट में अब भी अपनी पहली जीत का इंतजार है। यह मुकाबला रोमांचक उतार-चढ़ाव और खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के लिए यादगार बन गया। विधायक श्री धरमलाल कौशिक, सारडा के डेड ऑफ़ ऑपरेशंस श्री मनोज शाह और छत्तीसगढ़ जुड़ो संघ के अध्यक्ष श्री अरुण द्विवेदी भी इस रोमांचक मैच को देखने मौजूद थे। मैच के दोनों हाफ में खेल का अलग-अलग



रंग देखने को मिला। पहले हाफ में संस्कारधानी स्ट्राइकर्स का दबदबा रहा। आर्यन खेस और आशीष तानी पूर्ति ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। लेकिन दूसरे हाफ में जसकरण सिंह ने अपने आक्रामक

खेल से मुकाबले का रुख ही बदल दिया। उन्होंने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की। मुकाबले में लगभग हर पांच मिनट में खेल का रुख बदलता नजर आया। एक समय संस्कारधानी स्ट्राइकर्स

की टीम बेहद मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही थी और बैलाडीला बुल्स का आक्रमण पूरी तरह बेअसर नजर आ रहा था। लेकिन कुछ ही देर में परिस्थितियां बदल गईं। स्ट्राइकर्स की रक्षापंक्ति दबाव में आ गई, जिसका फ़ायदा उठाते हुए बुल्स ने लगातार दो गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। मैच समाप्त होने में केवल पांच मिनट शेष थे और स्कोर 4-4 की बराबरी पर था। ऐसा लग रहा था कि मुकाबला इसी स्कोर पर समाप्त होगा, लेकिन जसकरण सिंह ने एक बार फिर कमाल दिखाया। उन्होंने शानदार टॉमहॉक शॉट लगाकर अपना पांचवां गोल दागा और बैलाडीला बुल्स को 5-4 की बढ़त दिला दी। हालाँकि, संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने हार नहीं मानी। मैच समाप्त होने से महज दो मिनट पहले मिले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्ट्राइकर्स ने स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया।

राइस मिलर्स की बैठक में चावल जमा की प्रगति और धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा

धान और चावल की रीसाइक्लिंग बर्दाश्त नहीं होगी : कलेक्टर

■ बारदाना शीघ्र जमा करने के निर्देश, एफ़्सीआई में 15 दिनों से अधिक लंबित स्टोक की होगी जांच

बिलासपुर/ संवाददाता

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने राइस मिलर्स को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि धान एवं चावल की रीसाइक्लिंग किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धान उपाजनि, मिलिंग और चावल जमा करने की पूरी प्रक्रिया में नियमों का पालन एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आगामी धान खरीदी के लिए आवश्यक बारदाना शीघ्र जमा करने तथा भारतीय खाद्य निगम में 15 दिनों से अधिक समय से लंबित स्टोक के मामलों की जांच करने के निर्देश दिए। कलेक्टर की अध्यक्षता में आज आयोजित जिले के राइस मिलर्स की बैठक में चावल जमा की प्रगति, मिलिंग संबंधी समस्याओं और खरीफ़विपणन वर्ष 2026-27 की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि



उपाजनि एवं मिलिंग व्यवस्था में अनियमितताओं को रोकने के लिए संबंधित अधिकारी सतर्कता बरतें। मिलर्स निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करें। आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आवश्यक बारदाने की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जिले में 15 नवंबर 2026 से धान खरीदी प्रारंभ होना प्रस्तावित है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने मिलर्स को बारदाना जल्द जमा करने और संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। भारतीय खाद्य निगम में चावल जमा की स्थिति की समीक्षा के

दौरान कलेक्टर ने 15 दिनों से अधिक समय से लंबित स्टोक वाले मिलर्स के मामलों की जांच का जिम्मा खाद्य नियंत्रक को सौंपा। उन्होंने लंबित मामलों में आवश्यक कार्रवाई करते हुए चावल जमा की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में नागरिक आपूर्ति निगम में चावल जमा की प्रगति तथा अन्य जिलों में निगम के अंतर्गत चावल जमा करने की स्थिति पर भी चर्चा हुई। चावल में 10 प्रतिशत ब्रोकन की निर्धारित सीमा से संबंधित विषयों और मिलर्स की समस्याओं की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने विगत धान खरीदी वर्ष में मिल सत्यापन के दौरान कमियां पाए जाने वाले राइस मिलर्स के मामलों की भी समीक्षा की। उन्होंने मिलिंग और चावल जमा से जुड़े कार्यों में निर्धारित मानकों एवं प्रक्रियाओं का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में खाद्य नियंत्रक श्री अमृत कुजूर, जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम श्री नितिन दीवान, भारतीय खाद्य निगम के प्रबंधक श्री अनूप कुमार, जिला विपणन अधिकारी श्री उमेंद्र खांडे सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और जिले के राइस मिलर्स उपस्थित थे।

छग राज्योत्सव 2026 में हवाई करतब दिखाने रायपुर पहुँची सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम...

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय वायु सेना की सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम छत्तीसगढ़ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव 2026 में भाग लेने के लिए आज रायपुर पहुँची। टीम नवा रायपुर अटल नगर स्थित सेंध झील क्षेत्र के ऊपर शानदार हवाई प्रदर्शन से दर्शकों को रोमांचित करेगी। स्वदेश में विकसित उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) ‘ध्रुव’ से उड़ान भरने वाली सारंग टीम अपनी सटीक उड़ान, समन्वित संरचनाओं और रोमांचक हवाई करतबों के लिए प्रसिद्ध है। यह प्रदर्शन भारतीय वायु सेना के उत्कृष्ट उड़ान कौशल, अनुशासन, टीम भावना और पेशेवर दक्षता के साथ भारत की स्वदेशी हेलीकॉप्टर क्षमताओं को भी प्रदर्शित करेगा। यह



आयोजन नागरिकों, विद्यार्थियों, युवाओं और विमानन में रुचि रखने वालों को हेलीकॉप्टरों की सामूहिक उड़ान में सटीकता और आपसी तालमेल देखने का अवसर प्रदान करेगा। राज्योत्सव में सारंग की भागीदारी समारोह के आकर्षण को बढ़ाने के साथ भारतीय वायु सेना और छत्तीसगढ़ के नागरिकों के बीच जुड़ाव को और सुदृढ़ करेगी। मोर से प्रेरित

अपनी विशिष्ट रंग-सज्जा और आदर्श वाक्य उत्कृष्टता से प्रेरणा के साथ सारंग हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में भारतीय वायु सेना की उत्कृष्टता का प्रतिनिधित्व करती है। रायपुर में टीम की उपस्थिति युवाओं को प्रेरित करने तथा उनमें विमानन और राष्ट्रसेवा के प्रति रुचि जगाने का माध्यम बनेगी।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग-चक्रधर चैंपियंस की पहली हार,संदीप के दो गोलों से जीता मैनपाट टाइटंस..

बिलासपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के 9वें मैच में मैनपाट टाइटंस ने चक्रधर चैंपियंस को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ ही टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। मैनपाट के लिए संदीप ने पेनल्टी कॉर्नर से दो गोल किए, जबकि चैंपियंस की ओर से एकमात्र गोल युवराज वाल्मीकि ने किया। इस मैच को देखने छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्व विजय सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के एमडी श्री सौमिल रंजन चौबे, आर्चरी एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के उपाध्यक्ष श्री कैलाश मुरारका और ज़िंदल पावर एंड स्टील के उपाध्यक्ष श्री यू.पी. सिंह भी मौजूद थे। चक्रधर चैंपियंस और



मैनपाट टाइटन्स के बीच पहला क्रांटर उम्मीद से अलग रहा। दोनों ही टीमों गोल करने में माहिर हैं, लेकिन मैच के शुरुआती 15 मिनट में कोई गोल नहीं हुआ। टीमों एक-दूसरे को परख रही थीं, जिसमें ज्यादा मौके नहीं बने और कोई पेनल्टी कॉर्नर भी नहीं मिला। दूसरे क्रांटर में वाल्मीकि ने टाइटंस के कुछ डिफेंडरों को छकाया और गोलकीपर अल्फ़ज़ खान को

पछड़ते हुए अपना पहला गोल किया। चार मिनट बाद मैनपाट के लिए संदीप कुमार ने गोल करके अपनी टीम को पिछड़ने से बचा लिया। खेल के प्रवाह के विपरीत, टाइटंस ने कुछ ऐसा कमाल दिखाया जिससे उन्हें आखिरी क्रांटर से पहले बढ़त मिल गई। डिफेंडर आनंद लकड़ा ने अपने हाफसे गेंद को हवा में उछाला (स्कूप किया), जो गोलकीपर वैभव सिंह चंदेल के

टीक सामने गिरने वाली थी, लेकिन साहिल जाक्सा ने गेंद को डिफ्लेक्ट करके गोल में पहुंचा दिया। इससे चक्रधर की टीम पूरी तरह हैरान रह गई। संदीप ने मैच का अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदलकर लाल और सफेद जर्सी वाली अपनी टीम (मैनपाट टाइटेंस) की जीत पक्की कर दी। इसके बाद चक्रधर चैंपियंस के लिए वापसी करना नामुमकिन हो गया और उन्हें टूर्नामेंट में अपनी पहली हार का सामना करना पड़ा। अंत में दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर यह रहा कि टाइटन्स ने मिडफील्ड में सुनील को किस तरह से घेरे रखा। इस अनुभवी खिलाड़ी को फ्रॉन्टर्स तक गेंद पहुँचाने का मौका नहीं मिला, और जब भी वह सकल के करीब आए, कम से कम चार डिफेंडरों ने उन्हें घेर लिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम संपन्न



रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय (कुशाभाऊ ठाकरे परिसर) में सोमवार को महाकाव्य रामायण के रचयिता आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी तथा राष्ट्रीय मंत्री व प्रदेश सह प्रभारी सिद्धार्थ शम्भू ने पुष्पांजलि कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं पदाधिकारियों के साथ महर्षि वाल्मीकि के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और उनके आदर्शों को स्मरण किया। इस पुष्पांजलि कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश महामंत्री द्वय अखिलेश सोनी व डॉ. नवीन मार्कण्डेय, प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के दिखाए मार्ग पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प दोहराया।

महर्षि वाल्मीकि का संदेश वर्ग-विहीन, समतामूलक और मर्यादापूर्ण समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है : भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी श्रीमती इरानी ने इस अवसर पर कहा कि ‘?आज जब हमारा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के मूलमंत्र पर आगे बढ़ रहा है। अपने छोटे-छोटे फैसले स्वयं लेने और परिवार की जरूरतों में सहयोग करने का भरोसा देती है। वैसाखी बाई की कहानी इसी भरोसे और आत्मनिर्भरता की एक सहज मिसाल है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से मिलने वाली सहायता राशि महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही परिवार के पोषण और बच्चों की शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण जरूरतों में सहयोग दे रही है।

पढ़ाई पर होने वाले खर्च में करती हैं। उनके लिए योजना की यह राशि केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि अपनी जरूरतों को पूरा करने और बच्चे की शिक्षा में योगदान देने का अवसर भी है। घर-परिवार की जिम्मेदारियों के बीच महिलाओं के लिए अपनी आवश्यकताओं और बच्चों की पढ़ाई के खर्च का ध्यान रखना आसान नहीं होता। ऐसे में नियमित आर्थिक सहायता उन्हें

प्रभास की 'फौजी' पर विवाद

पैन इंडिया स्टार प्रभास के बर्थडे के मौके पर फौजी फिल्म का फर्स्ट रिलम्स शेयर किया गया। इसमें सबसे ज्यादा शॉकिंग बात ये रही कि फिल्म में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का किरदार दिखाया गया। उनका किरदार जिस तरह से फौजी के रिलम्स में दिखाया गया है उससे नेताजी के परिवार को आपत्ति है और उन्होंने मेकर्स से मांग की है कि वे इस बात के लिए ना सिर्फ माफी मांगे बल्कि नेताजी के किरदार को जरा और रिस्पेक्टफुल तरीके से दिखाएं। पहले ही इस बात की घोषणा कर दी गई थी कि प्रभास के जन्मदिन के मौके पर इस फिल्म को लेकर उनका लुक शेयर किया जाएगा। लेकिन वीडियो बाहर आने के बाद से सभी का ध्यान नेताजी के किरदार की ओर भी जा रहा है जिसे हिटलर के किरदार से बाते करते हुए देखा जा रहा है। आइए जानते हैं कि नेताजी के परिवार को क्या आपत्ति है और उनकी मेकर्स से क्या मांगें हैं।

फौजी फिल्म की बात करें तो इसके रिलम्स में दिखाया गया है कि कैसे नेताजी सुभाष चंद्र बोस का किरदार प्रभास के किरदार फौजी का इंट्रोडक्शन करा रहा है जिसमें वे तानाशाह हिटलर के सामने फौजी की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। नेताजी के परिवार का ऐसा



मानना है कि वीडियो में नेताजी के किरदार और औरों का इस्तेमाल एक फौजी को इंट्रोड्यूज कराने में किया गया है जबकी नेताजी खुद एक महान क्रांतिकारी थे। ऐसे में मेकर्स को माफी मांगनी चाहिए और नेताजी के किरदार को और रिस्पेक्टफुल तरीके से पेश

करना चाहिए। फिलहाल इसपर अभी मेकर्स की ओर से कोई भी रिसॉन्स नहीं आया है। फिल्म की बात करें तो इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। वहीं इसमें अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, जयाप्रदा और इमानवी अहम रोल प्ले कर रहे हैं।



सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक देगी रामायण

निर्देश तिवारी निर्देशित ऐतिहासिक फिल्म रामायण का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। रणबीर कपूर अभिनीत इस भव्य फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि सिनेमाघरों में ग्रैंड रिलीज के बाद फिल्म रामायण दर्शकों के लिविंग रूम तक पहुंचेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्राइम फोकस स्टूडियोज और जियोहॉटस्टार के बीच एक बड़ी साझेदारी हुई है, जिसके तहत रामायण थिएटर के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। हालांकि, दर्शकों को यह फिल्म सामान्य सब्सक्रिप्शन प्लान में नहीं मिलेगी, बल्कि इसे देखने के लिए पे-पर-व्यू ऑप्शन के जरिए अलग से पैसे देकर एक्सेस खरीदना पड़ेगा। यानी, दर्शक घर बैठे ही ऑन-डिमांड पैसे चुकाकर इस महाकाव्य का आनंद ले पाएंगे। फिल्म रामायण 5 नवंबर 2026 को दिवाली के खास मौके पर दुनिया भर में रिलीज की जाएगी। इसे बहुत बड़े लेवल पर आईमैक्स 3डी में पेश किया जाएगा। यह दो पार्ट्स में बनने वाली लाइव एक्शन फिल्म सीरीज है, जिसकी कहानी श्रीधर राघवन ने वाल्मीकि रामायण से ली है। इस प्रोजेक्ट को प्राइम फोकस स्टूडियोज, आठ बार ऑस्कर जीत चुकी वीएफएक्स कंपनी डीएनईजी और एक्टर यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस मिलकर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में रणबीर कपूर लीड रोल में नजर आएंगे। जियोस्टार की चेंयरपर्सन नीता अंबानी ने इस पार्टनरशिप पर अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि रामायण हमारी संस्कृति का सबसे बड़ा खजाना है और इसने सदियों से हमारी पीढ़ी को गाड़ दिया है।



उन्होंने साफ किया कि लोग उनके रिश्ते के बारे में पूरी सच्चाई जाने बिना अपनी धारणाएं बना रहे हैं। रश्मिका ने बताया कि विजय ने शादी का फैसला लेने से पहले समय क्यों लिया, दोनों ने मिलकर अपनी जिंदगी का निर्णय कैसे किया और आखिर क्यों वह अपने रिश्ते को लेकर किसी अनजान व्यक्ति की राय से प्रभावित नहीं होना चाहतीं। इतना ही नहीं, अभिनेत्री ने अपने परिवार को इस विवाद में घसीटने वालों को भी ज़मकर फटकार लगाई है। रश्मिका मंदाना

ने अपनी पोस्ट में कहा कि वह आमतौर पर लोगों की राय पर प्रतिक्रिया देना पसंद नहीं करतीं, क्योंकि हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इस बार उन्हें लगा कि लोग उनकी और विजय की बातचीत को समझने के बजाय किसी एक को गलत साबित करने में जुटे हुए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके रिश्ते की कहानी इस बात पर निर्भर नहीं करती कि किसने कितनी बार प्रपोज किया या शादी के लिए फैसला लेने में कितना समय लगा। अभिनेत्री के मुताबिक

विजय के लिए शादी से पहले एक-दूसरे को अच्छी तरह समझना और भविष्य की जिम्मेदारियों के लिए तैयार होना जरूरी था। वह चाहते थे कि दोनों जिंदगी के अच्छे और बुरे दौर का सामना साथ करने के लिए पूरी तरह तैयार हों। दूसरी तरफ, रश्मिका को अपने फैसले को लेकर स्पष्टता थी। उन्होंने बताया कि वह अक्सर दिल की सुनकर निर्णय लेती हैं, जबकि विजय किसी बड़े फैसले से पहले उसके व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करना पसंद करते हैं।

कृति सेनन ने बताया क्यों पुराने रोल से हो गई थीं परेशान

कृति सेनन ने फिल्म ‘हीरोपंती’ से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने अपने करियर में काफी लंबा सफर तय किया है। नेशनल अवॉर्ड जीतने से लेकर अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू करने तक, कृति ने हमेशा कुछ नया करने की कोशिश की है। अब अपने करियर में करीब 20 फिल्मों में काम करने के बाद एक्ट्रेस ने उन किरदारों के बारे में बात की है, जिन्हें वह आगे निभाना चाहती है। करीना कपूर के शो ‘What Women Want’ के एक एपिसोड में कृति सेनन ने बताया कि वह ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं, जो उन्हें उनके कंफर्ट जोन से बाहर निकालें। इस दौरान उन्होंने यह भी बताया कि करियर की शुरुआत में उन्हें बार-बार एक जैसे रोल मिलते थे, जिससे वो बोरे हो गईं थीं करीना कपूर ने जब कृति से पूछा कि वह किस तरह के किरदार निभाना चाहती हैं, जो उनके लिए चैलेंजिंग हों, तो एक्ट्रेस ने अपने

शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब उनके पास चुनने के लिए ज्यादा ऑप्शन नहीं थे। ऐसे में उन्हें जो भी किरदार ऑफर होते थे, उनमें से बेहतर चुनने की कोशिश करती थीं।



साउथ सिनेमा की लेडी सुपरस्टार नयनतारा, रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म ‘धर्मन’ की कास्ट में शामिल हो गई हैं। इस फिल्म के जरिए पांच साल बाद नयनतारा सुपरस्टार रजनीकांत के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। इससे पहले रजनीकांत के साथ लेडी सुपरस्टार 2021 की फिल्म ‘अन्नाथे’ में साथ दिखाई दी थीं और अब एक बार फिर दोनों साथ नजर आने वाले हैं और इस खबर ने इन दोनों सुपरस्टार्स के फैंस को खुश कर दिया है। अश्वथ मारिमुथु द्वारा लिखित और निर्देशित, यह तमिल मीडिकल ड्रामा का ऐलान ‘थलाइवर 173’ के नाम से किया गया था इसे कमल



हासन प्रोड्यूस किया जा रहा है। निर्माताओं ने रविवार, 25 अक्टूबर 2026 को सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर करके नयनतारा को कास्ट किए जाने की घोषणा की। मेकर्स ने हाल ही में ‘धर्मन’ की कास्टिंग से जुड़ी जानकारी साझा की। ‘राज कमल फिल्मस् इंटरनेशनल’ ने X (पहले ट्विटर) पर एक पोस्टर जारी किया, जिसमें रजनीकांत और नयनतारा की परछाइयां दिखाई दे रही हैं। दोनों एक-दूसरे की तरफ देखते हुए एक बड़ी कांच की खिड़की के सामने खड़े नजर आ रहे हैं। खिड़की से आती सुनहरी घुप एक शानदार ‘बैकलिट’ इफेक्ट पैदा कर रही है, जिससे दोनों कलाकारों की

छाया दिखाई देती है। मेकर्स ने पोस्टर जारी करते हुए लिखा, ‘द ऑर्रा इज डबल... ‘धर्मन’ में नयनतारा का स्वागत है।’ 2021 की फिल्म ‘अन्नाथे’ से पहले, नयनतारा और रजनीकांत कई फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं, जिनमें ‘चंद्रमुखी’, ‘कुसेलन’ और ‘दरबार’ जैसी फिल्में शामिल हैं। वहीं ‘धर्मन’ की बात करें तो मेकर्स ने फिल्म से रजनीकांत का फर्स्ट-लुक पोस्टर 24 जुन, 2026 को जारी किया था। इसमें रजनीकांत एक दमदार अवतार में नजर आए थे। उन्होंने नीले रंग के सर्जिकल कपड़े पहने हुए हैं और ऐसा लग रहा है कि यह सीन किसी अस्पताल का है।

शरवरी संग इश्क लड़ाएंगे अहान पांडे

अहान पांडे ने मोहित सूरी की फिल्म ‘सैयारा’ से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को दर्शकों का इतना ध्यार मिला का फिल्म ब्लॉकबस्टर बन गई। तभी से फैंस अहान को फिर से स्क्रीन पर देखने के लिए बताव थे। अब फैंस का इतजार खत्म होने वाला है। अहान जल्द ही यश राज की फिल्म में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में वो शरवरी वाघ के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म का टाइटल और पहला पोस्टर भी जारी कर दिया है। फिल्म का नाम ‘बेपरवाह’ है, जिसका निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं, जबकि आदित्य चोपड़ा इसके निर्माता हैं। ये एक रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म है। फिल्म के पहले पोस्टर से इसकी कहानी में रोमांस और एक्शन का मेल देखने को मिल रहा है। पोस्टर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान हो गया है। पोस्टर में अहान के हाथ में बंदूक है, जबकि शरवरी गिटार पकड़े नजर आ रही हैं। दोनों के चेहरे पोस्टर में



नहीं दिखाए गए हैं। इससे मेकर्स ने फिलहाल उनके लुक को छिपाकर रखा है। पोस्टर के साथ डायलॉग भी सुनाई दे रहा है, जिसमें अहान की आवाज में सुनाई दे रहा है- ‘बेपरवाह है इश्क, क्या करूं? बेपरवाह, बेइतहा करूं, कोई भी आए तो सब तबाह, तबाह, तबाह कर दूं।’ बेपरवाह में अहान और शरवरी पहली बार साथ काम कर रहे हैं। बता दें कि यशराज फिल्मस के साथ ये अहान की दूसरी फिल्म है। इससे पहले यशराज फिल्मस की फिल्म सैयारा से अपना एक्टिंग डेब्यू कर चुके हैं, जिसे मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया था।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन दूसरों की मदद करने, रिश्तों में सद्भाव बनाए रखने और सम्मान पाने का अवसर लेकर आया है। किसी जरूरतमंद के काम आकर आपको मन की शांति मिलेगी और लोगों के बीच आपकी अच्छी छवि भी बनेगी।

वृषभ राशि -आज भाग्य आपका साथ दे सकता है और अचानक कोई अच्छी खबर आपके चेहरे पर मुस्कान ला सकती है। यदि किसी करीबी के साथ मनमुटाव चल रहा है, तो बातचीत की पहल करने से रिश्तों में फिर से मिठास लौट सकती है।

मिथुन राशि - आज का दिन भले ही सामान्य नजर आए, लेकिन सही फैसले लेने पर यह भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। व्यापार करने वालों की मुलाकात किसी प्रभावशाली व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। हालांकि, आर्थिक मामलों में लापरवाही न करें।

कर्क राशि - आज आपके सामने ऐसे अवसर आ सकते हैं, जो कामकाज में नई उपलब्धियों का रास्ता खोलेंगे। लंबे समय से अटकती हुई कोई व्यापारिक डील पूरी होने की संभावना है, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आगे की योजनाओं को गति मिलेगी।

सिंह राशि - आज आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों को प्रभावित करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है और मेहनत के लिए सम्मान या प्रशंसा मिलने के संकेत हैं। संतान को करियर या नौकरी के लियेसिले में दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

कन्या राशि - आज कामकाज की व्यस्तता बनी रह सकती है, लेकिन सही योजना के साथ आगे बढ़ेंगे तो मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है। छोटी-छोटी बातों में उलझने के बजाय अपने बड़े लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें। इससे समय और ऊर्जा दोनों का बेहतर उपयोग होगा।

तुला राशि-आज दिन की शुरुआत थोड़ी धीमी हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे परिस्थितियां आपके अनुकूल होती नजर आएंगी। परिवार में चल रही किसी उलझन को बातचीत और आपसी समझ से सुलझाया जा सकता है।

वृश्चिक राशि - आज आपको धैर्य और संयम के साथ परिस्थितियों का सामना करना होगा। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से बचे, क्योंकि शांत रहकर लिया गया फैसला अधिक लाभदायक साबित होगा। किसी जरूरतमंद की सहायता करने का अवसर मिलेगा, जिससे मन को संतुष्टि मिलेगी।

धनु राशि- आज आपके भीतर कुछ नया सीखने और जीवन में बड़ा बदलाव लाने की प्रेरणा जाग सकती है। लंबी दूरी की यात्रा की योजना बन सकती है, जो आपको नए अनुभव और नए लोगों से जुड़ने का अवसर देगी।

मकर राशि - आज आर्थिक मामलों में सावधानी और योजनाबद्ध तरीके से चलना आपके लिए बेहतर जरूरी होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और किसी भी बड़े फैसले को जल्दबाजी में लेने से बचें। माता-पिता का आशीर्वाद किसी लंबे समय से रुके हुए काम को पूरा कराने में मदद कर सकता है।

कुंभ राशि- आज आपके मन में कुछ ऐसे नए और रचनात्मक विचार आ सकते हैं, जो भविष्य में सफलता की नींव बनेंगे। नौकरी हो या व्यापार, आपकी अलग सोच आपको दूसरों के बीच खास पहचान दिला सकती है।

मीन राशि-आज नौकरी और करियर से जुड़े मामलों में नई उम्मीदें जाग सकती हैं। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर मिलने की संभावना है, जिससे भविष्य को लेकर उत्साह बढ़ेगा। लंबे समय से अटकें कामों में भी धीरे-धीरे प्रगति दिखाई दे सकती है।

कौन हैं करवा माता, करवा चौथ पर क्यों होती हैं इनकी पूजा? जानिए इसकी कहानी

करवा चौथ हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। पूरे दिन व्रत रखने के बाद शाम को भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और करवा माता की पूजा की जाती है। रात में चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद महिलाएं अपने पति के हाथों से जल ग्रहण करके व्रत खोलती हैं। इस पर्व पर सुगंध, प्रेम और पति-पत्नी के रिश्ते की मजबूती का विशेष महत्व माना जाता है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि करवा माता कौन है, करवा चौथ पर इनकी पूजा क्यों की जाती है और इस व्रत का नाम करवा चौथ कैसे पड़ा? आखिर करवा माता की ऐसी कौन-सी पौराणिक कहानी है, जिसकी वजह से उन्हें सुहाग की रक्षा और पति की



लंबी उम्र से जोड़कर देखा जाता है? आइए जानते हैं करवा माता की कहानी, पूजा का महत्व और करवा चौथ 2026 की तिथि और शुभ मुहूर्त। इस बार करवा चौथ का व्रत गुरुवार, 29 अक्टूबर को रखा जाएगा। इस दिन विवाहित महिलाएं सूर्यास्त से पहले सरगी ग्रहण करके व्रत का संकल्प लेंगी। इसके बाद दिनभर निर्जला व्रत रखा जाएगा और शाम को शुभ मुहूर्त में पूजा-अर्चना की जाएगी। रात में चंद्रमा के दर्शन और अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाएगा।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, करवा माता

एक परम पतिव्रता और साहसी स्त्री थीं। उनका नाम करवा था और अपने पति के प्रति उनके प्रेम, समर्पण और अटूट विश्वास की वजह से उनकी कहानी विशेष रूप से प्रचलित है। मान्यता है कि करवा माता ने अपने तपोबल और सतीत्व के बल पर अपने पति को मृत्यु के संकट से बचाया था। इसी कथा को करवा चौथ के व्रत और पति की लंबी उम्र की कामना से जोड़कर देखा जाता है। कई धार्मिक परंपराओं में करवा माता को सुहाग की रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजा जाता है। वहीं, करवा चौथ की पूजा में माता पार्वती की आराधना भी की जाती है, जिन्हें अखंड सौभाग्य और वैवाहिक सुख का प्रतीक माना जाता है।

घर में तुलसी का पौधा किस दिशा में लगाना चाहिए

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद पवित्र और प्यारीय माना जाता है। मान्यता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा होता है, वहां सकरात्मक ऊर्जा का संचार होता है और परिवार में सुख-समृद्धि बनी रहती है। यही वजह है कि भारतीय घरों में तुलसी की पूजा करने और उसकी नियमित देखभाल करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।वास्तु शास्त्र में भी तुलसी के पौधे को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि घर में तुलसी का पौधा किस दिशा में लगाना चाहिए और इसे लगाने के लिए कौन-सी जगह सबसे अच्छी मानी जाती है?



तुलसी के पौधे के लिए कौन-सी दिशा है शुभ?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में तुलसी का पौधा लगाने के लिए उत्तर, पूर्व और उत्तर-पूर्व दिशा को शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा को धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है, जबकि पूर्व दिशा सूर्य की रोशनी और नई ऊर्जा का प्रतीक

मानी जाती है। उत्तर-पूर्व दिशा, जिसे ईशान कोण भी कहा जाता है, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए विशेष मानी जाती है। यदि आपके घर में खुला आंगन है, तो वहां तुलसी का पौधा लगाया जा सकता है। इसके अलावा बालकनी या ऐसी जगह पर भी तुलसी रखी जा सकती है, जहां पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी आती हो। हालांकि, वास्तु संबंधी ये मान्यताएं पारंपरिक विश्वासों पर आधारित हैं। इनसे आर्थिक लाभ या जीवन में सुख-समृद्धि

सुनिश्चित होने का वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

तुलसी का पौधा लगाते समय किन बातों का रखें ध्यान?

वास्तु की मान्यताओं के अनुसार, तुलसी का पौधा साफ-सुथरी और व्यवस्थित जगह पर रखना चाहिए। इसके आसपास अनावश्यक सामान, कचरा या गंदगी जमा नहीं होने देनी चाहिए। तुलसी के गमले को ऐसी जगह रखें, जहां पौधे को पर्याप्त घूप और हवा मिल सके।

दिवाली की सफाई में महंगे क्लीनर की नहीं पड़ेगी जरूरत

इस्तेमाल की हुई चायपती से करें क्लीनिंग

भारत में चाय एक नेशनल ड्रिंक है, क्योंकि ज्यादातर घरों में सुबह-शाम कुछ बने न बने; चाय तो जरूर बनती है। ऐसे में चाय बनाने के बाद जो चायपती बचती है, उसे हम बेकार समझकर फेंक देते हैं। जबकि ये चायपती सफाई में आपके बड़े काम आ सकती है, वैसे भी इन दिनों सभी घरों में दीवाली सफाई अभियान जोरों-शोरों पर है। आइए आपको बताते हैं होम क्लीनिंग में चायपती के इस्तेमाल करने के टिप्स :



खिड़कियों के शीशे साफ करें

खिड़कियां साफ करने के लिए बची हुई चायपती को दोबारा साफ पानी से धो लें, ताकि उसमें से घुँघ और चीनी अच्छे से निकल जाए। इसके बाद चायपती सादे पानी में डालकर 3 मिनट तक उबाल लेनी

है। पानी को छानकर टंडा करने के लिए रखें, फिर इस पानी से खिड़कियों के शीशे साफ कर लें।

कांच के बर्तन चमकाएं

पहले चायपती को धोकर उसे बर्तन में 2-3 मिनट तक उबाल लें। फिर पानी को छानकर टंडा होने के रख दें। इस पानी में 1 चम्मच डिटर्जेंट पाउडर या 2-3 बूँट डिशवॉश लिक्विड मिलाकर मिवस करें। अब रूख़ब को पानी डूबोकर कांच के बर्तनों की क्लीनिंग करें। गुनगुने पानी में थोड़ा सा सफ़ेद सिरका

मिलाएं और कांच के बर्तनों को 5 से 7 मिनट के लिए उसमें भिगोकर रख दें।

फर्नीचर की चमक लौटाएं

लकड़ी के फर्नीचर पर चायपती का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरते, क्योंकि इससे दाग लगने का खतरा रहता है। इसके लिए चायपती को धोकर अच्छे से उबाल लेना है। इस पानी को छानकर इसमें 2 चम्मच सिरका मिलाएं। इसके बाद मिश्रण में साफ सूती कपड़ा डूबोकर फर्नीचर को चमका लें। अब एक सूती कपड़े या स्पंज पर

थोड़ा सा पेस्ट लेकर फर्नीचर पर हल्के हाथों से गोल-गोल घुमाते हुए रगड़ें।

किचन सिंक क्लीनिंग

चायपती में मौजूद नेचुरल टैनिस क्लीनिंग एजेंट का काम करते हैं। अगर आपके घर में चिकनाई या तेल जम गया है, तो आप चायपती को धोकर उसे पहले उबाल लें। फिर इस पानी को बिना छाने उसमें 1 चम्मच डिटर्जेंट और बेंकिंग सोडा मिलाकर मिश्रण तैयार करें। इस लिक्विड को थोड़ा-थोड़ा सिंक में डालकर और बाकी मिश्रण को रूख़ब में डूबोकर अच्छे से साफ करें।

साय कैबिनेट के बड़े फैसले: 15 नवंबर से 3100 में धान खरीदी, सरकारी कर्मचारियों को कैशलेस इलाज की सौगात

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान, सरकारी कर्मचारी, आम उपभोक्ता, अधोसंरचना और औद्योगिक विकास से जुड़े कई दूरगामी व जनहितैषी निर्णयों को मंजूरी दी गई।

15 नवंबर से होगी धान खरीदी, 3100 केंद्रों पर बायोमीट्रिक व्यवस्था- कैबिनेट ने खरीदविपणन वर्ष 2026-27 में प्रदेश के किसानों से 15 नवंबर 2026 से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू करने का फैसला लिया है। - दर एवं सीमा: 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3,100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदा जाएगा। - एग्रीस्टेक व डिजिटल सर्वे: एग्रीस्टेक

आईडी युक्त पंजीकृत किसानों को अलग से पंजीयन कराने या त्रुष्टा पुस्तिका लाने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल क्राॅप सर्वे से रकबा स्वतः निर्धारित होगा। - पारदर्शिता व सुविधाएं: वास्तविक किसानों की पहचान के लिए बायोमीट्रिक आधारित खरीदी होगी। किसानों की सहूलियत के लिए 360 नए उपार्जन केंद्र शुरू किए जा रहे हैं, जिससे इस वर्ष कुल 3,100 केंद्रों के जरिए उपार्जन होगा। - कृषक उन्नति योजना में बदलाव: कृषक उन्नति योजना के तहत आदान सहायता राशि अब प्रति क्विंटल के स्थान पर 'प्रति एकड़' के मान से दी जाएगी, जिससे किसानों को फसल विविधीकरण और उन्नत कृषि तकनीकों के उपयोग के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

शासकीय सेवकों और परिजनों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा- राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों और उनके आश्रित

परिजनों के लिए बहुप्रतीक्षित कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई।

- अब कर्मचारियों को इलाज के दौरान अस्पतालों में अग्रिम भुगतान और बाद में मेडिकल रीइंबर्समेंट (प्रतिपूर्ति) की लंबी प्रक्रिया से मुक्ति मिलेगी। - सूचीबद्ध अस्पतालों में ऑनलाइन प्री-ऑथराइजेशन और डिजिटल क्लेम प्रोसेस के जरिए कैशलेस उपचार मिलेगा। यह सुविधा गंभीर बीमारियों और आपातकालीन स्थितियों में कर्मचारियों को बड़ी वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगी।

बिजली बिल में 200 यूनिट तक क्रेडिट-रियायत 31 मार्च 2027 तक बढ़ी- 'मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान' (एम-ऊर्जा) के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक के बिजली बिल पर दी जा रही रियायत को यथावत जारी रखा गया है। साथ ही, 400 यूनिट तक



मासिक खपत वाले उपभोक्ताओं की पात्रता अवधि 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 कर दी गई है। इस निर्णय से राज्य के लगभग 7.25 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलता रहेगा।

8,000 करोड़ की कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल परियोजना को हरी झंडी- 295

किलोमीटर लंबी कटघोरा-तखतपुर-मुंगेली-कवर्धा-खैरागढ़-डोंगरगढ़ रेल परियोजना को तेजी से पूरा करने के लिए छत्तीसगढ़ रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (छरुक्स्ट) के माध्यम से शत-प्रतिशत इक्विटी निवेश को मंजूरी दी गई। - लगभग 8,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना में 25न अंशपूंजी (लगभग

2,000 करोड़ रुपये) होगी, जिसमें राज्य शासन और रेल मंत्रालय 1,000-1,000 करोड़ रुपये का योगदान देगे।

- राज्य की हिस्सेदारी खनिज विकास निधि/डीएमएफ या बजट से दी जाएगी। इस रेल लाइन से उपेक्षित अंचलों में कर्नेक्टिविटी बढ़ेगी।

अधोसंरचना, पर्यटन और खेल के लिए बड़े मिशन मंजूर- मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन-2026: वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक (5 वर्ष) के लिए 500 करोड़ रुपये (100 करोड़ प्रतिवर्ष) के प्रावधान के साथ मिशन को मंजूरी। इसके तहत राज्य का मास्टर रोड प्लान, जीआईएस आधारित प्लानिंग और निर्माण कार्यों की डिजिटल निगरानी सुनिश्चित होगी। - मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन: 'पर्यटन से समृद्धि' ध्येय के साथ 5 वर्षों के लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान

किया गया है, जिससे पर्यटन स्थलों पर कर्नेक्टिविटी, होमस्टे और निजी निवेश को गति मिलेगी।

- मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन: टैलेंट हंट से ओलंपिक पदक तक की रूपरेखा के तहत वर्ष 2026-27 के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। प्रथम चरण में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, आंबिकापुर, जगदलपुर और जशपुर में फीड सेंटर शुरू होंगे। **सड़क ठेकेदारों को डामर मूल्य वृद्धि पर राहत-** डामर (बिटुमिन) की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण व लोक निर्माण विभाग के ठेकेदारों को 200 करोड़ रुपये से अधिक की मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) देने का निर्णय लिया गया। इससे डामरीकरण के रुके हुए निर्माण कार्यों को गति मिलेगी।

शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया

रायपुर जनता के गोठ

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचेउप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचेउप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल भी मैच देखने स्टेडियम पहुंचे शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया संस्कारधानी स्ट्राइकर्स ने आज ललित उपाध्याय की राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराकर छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में अपनी पहली जीत दर्ज की। शमशेर की कप्तानी वाली स्ट्राइकर्स टीम शानदार फॉर्म में दिखी। मैच में आशीष तानी पूर्ति और शाहरुख ने 2-2 गोल किए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ छत्तीसगढ़ कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सीईओ श्री



चंदन कुमार, शारदा रूप के चेयरमैन (वित्त) श्री योगेंद्र शुक्ला, एसबीआई के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री आदर्श श्रीवास्तव, गोयल रूप के मार्केटिंग हेड श्री चंद्रशेखर और छत्तीसगढ़ प्रदेश सॉफ्टबॉल एसोसिएशन के महासचिव श्री ओपी शर्मा भी इस मैच को देखने स्टेडियम पहुंचे थे। शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया संस्कारधानी

स्ट्राइकर्स और राजधानी रायल्स दोनों के लिए यह सुकनवा बहुत अहम था। टूर्नामेंट में बने रनों के लिए यह उनके पास आखिरी मौका था, क्योंकि इससे पहले दोनों में से किसी को भी जीत नहीं मिली थी। शुरुआत में खिलाड़ियों पर दबाव साफ दिख रहा था। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने संभलकर शुरुआत की। दोनों ही टीमों को अटक करने या सर्कल के अंदर पहुंचने में मुश्किल हुई और उनका पूरा ध्यान शाहरुख और आशीष पूर्ति ने संस्कारधानी स्ट्राइकर्स को दिलाई पहली जीत, राजधानी रॉयल्स को 4-2 से हराया संस्कारधानी

गुरुकुल महिला महाविद्यालय में एंटी रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



रायपुर। गुरुकुल महिला महाविद्यालय, कालीबाड़ी, रायपुर में छात्राओं को रैगिंग के दुष्परिणामों, इसके विरुद्ध बनाए गए कानूनी प्रावधानों तथा महाविद्यालय परिसर में सुरक्षित, अनुशासित एवं भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एंटी रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. अमिर्तेश देशमुख, हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (IHR), रायपुर उपस्थित रहे। उन्होंने छात्राओं को रैगिंग की अवधारणा, उसके विभिन्न स्वरूपों तथा विद्यार्थियों के शैक्षणिक, मानसिक एवं सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों के संबंध में जानकारी प्रदान की। उन्होंने रैगिंग से संबंधित कानूनी प्रावधानों, विद्यार्थियों के अधिकारों एवं दायित्वों तथा ऐसी घटनाओं की शिकायत करने की प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला। डॉ. देशमुख ने छात्राओं को जागरूक करते हुए कहा कि महाविद्यालय परिसर में प्रत्येक विद्यार्थी को सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर प्राप्त होना चाहिए। रैगिंग किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। विद्यार्थियों को आपसी सहयोग, सकारात्मक संवाद और अशुभावित

फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव से की मुलाकात, मुख्यमंत्री के संज्ञान में मांग लाने का मिला आश्वासन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के प्रतिनिधिमंडल ने प्रांतीय संयोजक श्री कमल वर्मा के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव से मुलाकात कर प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों को 1 जनवरी 2026 की देय तिथि से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता (B) एवं महंगाई राहत (छूत) स्वीकृत करने का आग्रह किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महंगाई भत्ते में वृद्धि किए जाने के अनुरूप राज्य के कर्मचारियों एवं पेंशनरों को भी देय तिथि से इसका लाभ प्रदान किया जाना चाहिए। इससे कर्मचारियों एवं पेंशनरों को आर्थिक राहत मिलेगी तथा उनके हितों का



संरक्षण सुनिश्चित होगा। फेडरेशन ने उपमुख्यमंत्री को शासकीय सेवकों के हित में 'मोदी की गारंटी' के अंतर्गत किए गए वादों का स्मरण करते हुए मांग के शीघ्र निराकरण के लिए शासन स्तर पर आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया। कैबिनेट की बैठक से पूर्व उपमुख्यमंत्री से इस विषय पर मुलाकात को फेडरेशन ने कर्मचारियों एवं पेंशनरों की मांगों को शासन के समक्ष प्रभावी ढंग से रखने की दिशा में

महत्वपूर्ण पहल बताया। उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए इन्हें मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों के हितों का पूरा ध्यान रखेगी।

प्रतिनिधिमंडल में शामिल प्रमुख पदाधिकारी- इस अवसर पर शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष श्री राजेश चटर्जी, छत्तीसगढ़ ग्रामीण कृषि

विस्तार अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष श्री विजय लहरे, छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय संघ के संयोजक श्री संजय शर्मा, नगरीय निकाय पेंशनर्स संघ के प्रांताध्यक्ष श्री श्रवण ठाकुर, दुर्ग जिला कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के महासचिव श्री अनुरूप साहू तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष एवं मौडिया प्रभारी श्री भानु प्रताप यादव उपस्थित रहे।

बिमलापुर में पहली बार भव्य गरबा उत्सव की धूम, पारंपरिक नृत्य से सराबोर हुआ गांव

महिलाओं ने संभाली आयोजन की कमान, रंग-बिरंगे परिधानों में गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

बलरामपुर (जनता के गोठ) : ग्राम पंचायत बिमलापुर में पहली बार गरबा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। उत्साह, उमंग और सांस्कृतिक रंगों से सजे इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। पारंपरिक संगीत की धुन पर गरबा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुतियों ने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। गांव में पहली बार इतने भव्य स्तर पर आयोजित इस

कार्यक्रम को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्र की लोकप्रिय नेत्री प्रेमलता जायसवाल शामिल हुईं। उनका ग्रामवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक आयोजन हमारी परंपराओं और विरासत को संहेजने के साथ ही समाज में एकता, भाईचारे और आपसी सद्भाव को मजबूत करते हैं।

महिलाओं की पहल बनी आयोजन की खास पहचान- गरबा उत्सव की सबसे खास बात यह रही कि आयोजन की पूरी



जिम्मेदारी गांव की महिलाओं ने संभाली। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, बेहतर प्रबंधन और

सामूहिक प्रयास ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाओं और

युवतियों ने गरबा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिन पर उपस्थित लोग भी उत्साह से झूम उठे।

पहली बार आयोजन, ग्रामीणों में दिखा उत्साह- ग्राम पंचायत बिमलापुर में पहली बार हुए इस गरबा उत्सव ने ग्रामीण जीवन में सांस्कृतिक उल्लास का नया रंग भर दिया। कार्यक्रम ने न केवल स्थानीय कला और परंपरा को मंच दिया, बल्कि महिलाओं की एकजुटता और सामूहिक सहभागिता की मिसाल भी पेश की। आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल रहा।

कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि गांवों में ऐसे सांस्कृतिक आयोजन सामाजिक एकता को मजबूत करने और नई पीढ़ी को परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वामी,मुदक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, अदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग –मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एकट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com